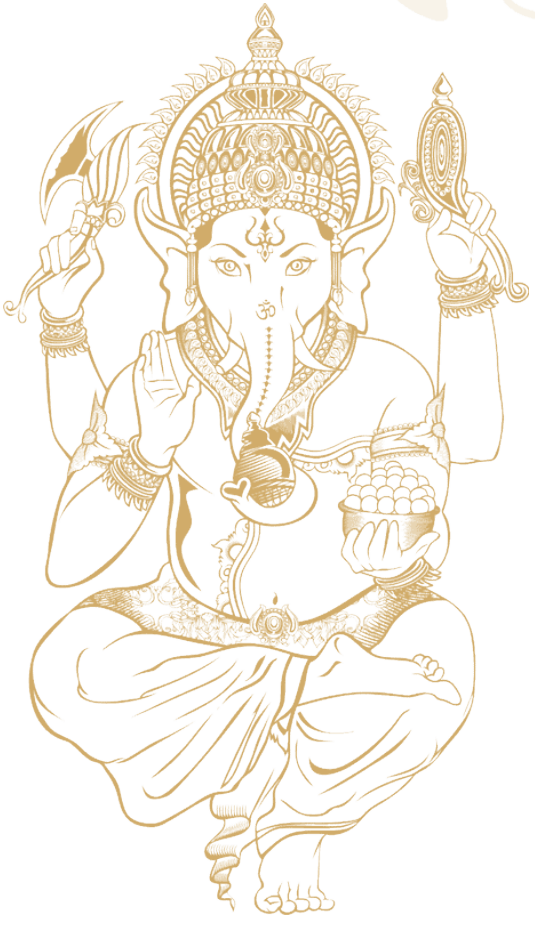

Neha Kushwaha

30 Aug 2001

02:35 PM

Sasaram

Model: web-freekundliweb

Order No: 121197505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/08/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:35:00 घंटे**
इष्ट	22:32:29 घटी
स्थान	**Sasaram**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:58:00 उत्तर
रेखांश	84:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:41:04 घंटे
वेलान्तर	-00:00:40 घंटे
साम्पातिक काल	13:15:35 घंटे
सूर्योदय	05:34:00 घंटे
सूर्यास्त	18:14:40 घंटे
दिनमान	12:40:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	13:11:17 सिंह
लग्न के अंश	12:52:00 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:52:00	341:18:47	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	13:11:17	00:58:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	04:46:52	11:54:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	01:37:24	00:26:59	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			कन्या	03:39:05	01:31:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			मिथु	15:47:57	00:10:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	09:56:14	01:11:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:24:30	00:02:55	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	10:43:10	00:04:05	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:43:10	00:04:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:24:12	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:42:53	00:01:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:40:35	00:00:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	26:34:52	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:33

लग्न-चलित

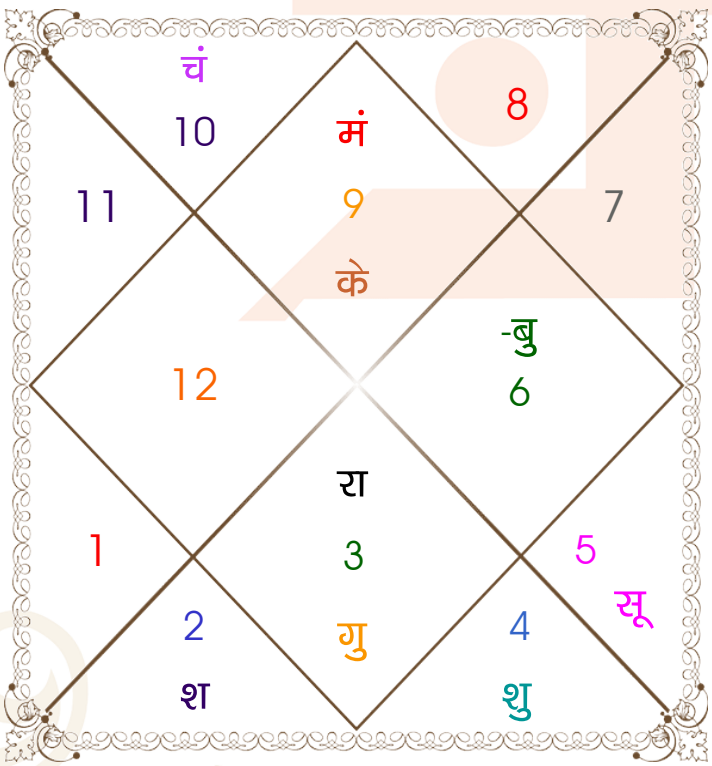

चन्द्र कुंडली

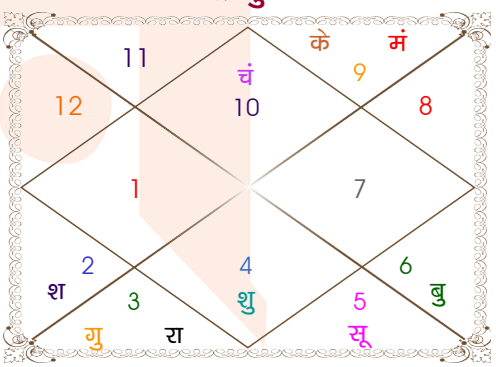

नवमांश कुंडली

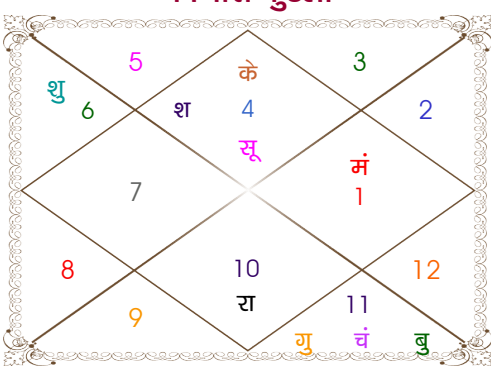

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 4 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/08/2001		05/01/2004		04/01/2014		04/01/2021		05/01/2039	
05/01/2004		04/01/2014		04/01/2021		05/01/2039		05/01/2055	
	00/00/0000	चंद्र	04/11/2004	मंगल	03/06/2014	राहु	17/09/2023	गुरु	22/02/2041
	00/00/0000	मंगल	05/06/2005	राहु	21/06/2015	गुरु	10/02/2026	शनि	05/09/2043
	00/00/0000	राहु	05/12/2006	गुरु	27/05/2016	शनि	17/12/2028	बुध	11/12/2045
	00/00/0000	गुरु	05/04/2008	शनि	06/07/2017	बुध	06/07/2031	केतु	17/11/2046
	30/08/2001	शनि	05/11/2009	बुध	03/07/2018	केतु	24/07/2032	शुक्र	18/07/2049
शनि	23/10/2001	बुध	06/04/2011	केतु	29/11/2018	शुक्र	25/07/2035	सूर्य	06/05/2050
बुध	30/08/2002	केतु	05/11/2011	शुक्र	29/01/2020	सूर्य	17/06/2036	चंद्र	05/09/2051
केतु	05/01/2003	शुक्र	06/07/2013	सूर्य	05/06/2020	चंद्र	17/12/2037	मंगल	11/08/2052
शुक्र	05/01/2004	सूर्य	04/01/2014	चंद्र	04/01/2021	मंगल	05/01/2039	राहु	05/01/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/01/2055		04/01/2074		05/01/2091		04/01/2098		05/01/2118	
04/01/2074		05/01/2091		04/01/2098		05/01/2118		00/00/0000	
शनि	07/01/2058	बुध	02/06/2076	केतु	03/06/2091	शुक्र	07/05/2101	सूर्य	25/04/2118
बुध	17/09/2060	केतु	30/05/2077	शुक्र	02/08/2092	सूर्य	07/05/2102	चंद्र	25/10/2118
केतु	26/10/2061	शुक्र	30/03/2080	सूर्य	08/12/2092	चंद्र	06/01/2104	मंगल	01/03/2119
शुक्र	26/12/2064	सूर्य	04/02/2081	चंद्र	09/07/2093	मंगल	07/03/2105	राहु	24/01/2120
सूर्य	08/12/2065	चंद्र	06/07/2082	मंगल	05/12/2093	राहु	07/03/2108	गुरु	11/11/2120
चंद्र	09/07/2067	मंगल	03/07/2083	राहु	23/12/2094	गुरु	06/11/2110	शनि	31/08/2121
मंगल	17/08/2068	राहु	20/01/2086	गुरु	29/11/2095	शनि	05/01/2114		00/00/0000
राहु	24/06/2071	गुरु	27/04/2088	शनि	07/01/2097	बुध	05/11/2116		00/00/0000
गुरु	04/01/2074	शनि	05/01/2091	बुध	04/01/2098	केतु	05/01/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 4 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।